वन उत्पादकता संस्थान, रांची
'प्रकृति' कार्यक्रम के तहत
कृषि-वानिकी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण
दिनांक 16.07.2019

संस्थान के निदेशक, डॉ॰ नितिन कुलकर्णी एवं अनुसंधान समूह समन्वयक, डॉ॰ योगेश्वर मिश्रा के निर्देशन में 19वीं वटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर, झारखंड राज्य के विद्यार्थियों को वन पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम के तहत दिनांक 16.07.2019 को खेलगाँव, रांची में एक दिवसीय कृषि-वानिकी विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। 19वीं वटालियन राष्ट्रीय कैडेट कोर, झारखंड के मुख्य कर्नल डंगवाल महोदय ने संस्थान के अधिकारियों का स्वागत किया एवं कृषि- वानिकी विषय कार्यक्रम पर अपना विचार रखा|

संस्थान के श्री आदित्य कुमार, वैज्ञानिक 'डी' ने वन उत्पादकता संस्थान, राँची में चल रहे अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अंतर्गत संस्थानों में चल रहे अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को अवगत कराया। श्री आदित्य कुमार ने कृषि-वानिकी के विषय में, उसके महत्व एवं अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी बारीकियों को अमल में लाये जाने पर चर्चा की। इन्होंने अपने व्याख्यान में बताया कि:

1. कृषि-वानिकी के लिए कृषि-फसल एवं वृक्षों का सामंजस्य बना रहे ऐसे प्रजातियों का चुनाव किया जाता है जो खेती के साथ आसानी से उगाई जा सके और वृक्षों से लाभ भी प्राप्त हो सके।
2. रोपण मॉडल का चुनाव, मेड़ की दूरी, पंक्ति अथवा सघन रोपण का ध्यान रखना।
3. कृषि–वानिकी में वृक्ष प्रजातियों के आधार पर भी चर्चा की गई:
    - तेज वृद्धि और अल्प चक्रण अवधि वाले वृक्ष प्रजाति

- सीधा तथा कम छाया वाले वृक्ष प्रजाति
- जाड़े में पतियों का पूरी तरह गिर जाने वाले वृक्ष प्रजाति

शीघ्र बढ़ने वाले प्रजातियों (यूकेलिप्टस, बकैन, विलो, पोपलर आदि) के बारे में भी बताया गया। मुख्यत: कृषि-वानिकी के लिए पोपलर प्रजाति, उसके पौधशाला का निर्माण, पौध लगाने का समय एवं पौध लगाने की विधि से भी अवगत कराया गया| पापलर प्रजाति के साथ जिन कृषि-फसलों का उत्पादन किया जा सकता है इस पर भी चर्चा की। इन्होंने इसके अतिरिक्त लाख उत्पादन एवं लाख पोषक वृक्षों के बारे में भी चर्चा की। विद्यार्थियों के प्रश्नों का संतोष जनक उत्तर दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 250 राष्ट्रीय कैडेट कोर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। संस्थान के विस्तार प्रभाग के श्री एस.एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया|